

08771

**MASTER OF ARTS
(POLITICAL SCIENCE)**

Term-End Examination

December, 2018

**MPSE-007 : SOCIAL MOVEMENTS AND
POLITICS IN INDIA**

Time : 2 hours

Maximum Marks : 50

Note : Attempt five questions in all, selecting at least two questions from each section. Answer each question in about 400 words. All questions carry equal marks.

SECTION - I

1. How important are social movements in democratic nations ? Elaborate.
2. Compare and contrast Gandhian and Marxist approaches to social movements.
3. Discuss how state can accommodate social movements in democratising and decision-making.
4. How can market forces can address the challenges facing social movements ? Explain.

5. Write notes in about 200 words on each of the following :
- (a) Regional Movement
 - (b) State and Farmers Movement

SECTION - II

6. What is the role of Civil Society in the decision-making process ?
7. Discuss how the Bhakti Movement has contributed to Indian social harmony.
8. Discuss how far has the Dalit Movement realized its objectives.
9. How can India be transformed into a better society ?
10. Write notes in about 200 words on each of the following :
- (a) Demands of Fishers Community
 - (b) New Social Movements
-

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

एम.पी.एस.ई.-007 : भारत में सामाजिक आंदोलन और
राजनीति

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें, प्रत्येक अनुभाग में से कम-से-कम
दो प्रश्न चुनते हुये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

अनुभाग - I

1. लोकतांत्रिक राष्ट्रों में सामाजिक आंदोलन कितने महत्वपूर्ण हैं?
विस्तार से बतायें।
2. सामाजिक आंदोलनों के गांधीवादी और मार्क्सवादी दृष्टिकोणों
की तुलना करें और इनके विरोधाभास बतायें।
3. लोकतांत्रिकरण और निर्णय लेने में राज्य कैसे सामाजिक आंदोलनों
को समाहित कर सकता है, इसकी चर्चा करें।
4. सामाजिक आंदोलनों के समक्ष चुनौतियों का बाज़ारी शक्तियाँ
कैसे सामना कर सकती हैं? व्याख्या करें।

5. निम्न में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में लेख लिखें :

(a) क्षेत्रिय आंदोलन

(b) राज्य और कृषक आंदोलन

अनुभाग - II

6. निर्णय लेने की प्रक्रिया में नागरिक समाज की क्या भूमिका है?

7. चर्चा करें कि कैसे भक्ति आंदोलन ने भारतीय सामाजिक समरसता में योगदान किया है।

8. चर्चा करें कि दलित आंदोलन किस सीमा तक अपने उद्देश्यों में सफल हुआ है।

9. किस प्रकार भारत का एक बेहतर समाज में रूपांतरण हो सकता है?

10. निम्न में से प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में लेख लिखें :

(a) मछुआरों की माँगें

(b) नये सामाजिक आंदोलन